जीवन का स्रोत

अध्याय 1 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. यूहन्ना 1 अध्याय में जिस “वचन” का जिक्र यूहन्ना कर रहा था, वह कौन था?

A. पवित्र वचन का चित्रण

B. यीशु की जीवनी को यूहन्ना ने “वचन” कहकर लिखा

C. यीशु मसीह, जो परमेश्वर है

2. यूहन्ना रचित सुसमाचार में पृथ्वी पर रहने के समय यीशु के सात “ चिन्हों” को बताया गया है युहन्ना ने उन चिन्हों को पाठ में एक दूसरे शब्द में क्या कहा?

A. आश्चर्य कर्म

B. अनुमान

C. उसके परमेश्वर को इंगित करने की शिक्षा

3. यूहन्ना 20:31 में यूहन्ना ने यीशु के जीवनी को क्यों लिखा?

A. ताकि उसके पाठक सीधे यीशु के जीवन की सच्चाई को जान सकें

B. ताकि उसके पाठकों द्वारा परमेश्वर को प्रसन्न करने के मुताबिक भला हो सके

C. ताकि उसके पाठक विश्वास करें कि यीशु मसीह ही परमेश्वर का पुत्र है

4. यूहन्ना अपने लेख के आरंभ में, वचन को क्या कह कर घोषणा करता है?

A. जगत का सृष्टिकर्ता

B. यहूदियों का राजा

C. मसीह

5. जिस मनुष्य को परमेश्वर ने इस्राएलियों के प्रतिज्ञा क्या हुआ मसीहा को ग्रहण करने की तैयारी करने के लिए किसे नियुक्त किया?

A. प्रेरित यूहन्ना

B.यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला

C. यशायाह भविष्यवक्ता

6. कोई व्यक्ति यीशु मसीह को किस प्रकार ग्रहण करता है?

A. बपतिस्मा लेकर या कलीसिया के उत्सव में भाग लेकर

B. यीशु को ग्रहण करने के द्वारा जिसके फलस्वरूप

C. 10 आज्ञाओं का पालन किया जा सके

7. यीशु मसीह के बारे में निम्नलिखित कौन बातें सही है?

A. हमारे समान ही वह भी परमेश्वर का एक संतान है

B. उसे एक दर्शन था कि परमेश्वर ने उसे इसलिए बुलाया कि वह मनुष्य जाति के लिए खुद का बलिदान करें

C. वह एक वास्तविक मनुष्य बन कर अपने (पाप रहित ईश्वरत्त्व के किसी भी गुण को छोड़े बगैर इस जगत में आया

8. यूहन्ना बपतिस्मा दाता ने यीशु को क्या कहकर बुलाया?

A. अच्छा चरवाहा, जो अपनी भेड़ों के लिए प्राण देता है

B. परमेश्वर का मेमना जो जगत के पापों को अपने ऊपर उठा ले जाता है

C. सारे जगत का सृष्टिकर्ता

9. यूहन्ना के कुछ चले यीशु का अनुसरण करने लगे तो वे क्या करते थे?

A. उन्होंने सिर झुकाया और उसकी आराधना किया

B. उन्होंने दया की भीख मांगी

C. उन्होंने अपने नजदीकी लोगों को यीशु के बारे में बताया

10. यीशु के किस चेले ने उसके विषय में कहा,” तू परमेश्वर का पुत्र, मसीह है”?

A. फिलिप्पुस

B. फिलिप्पुस का मित्र

C. शिमोन, जिसे पतरस भी कहते हैं

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 2 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. अध्याय 2 और 3 में जिन लोगों का परिचय यूहन्ना करता है उनकी सच्ची आत्मिक अवस्था प्रकट होती थी-

A. उनकी बोली से

B. यीशु मसीह के प्रति उनकी प्रतिक्रिया से

C. कि वह कितनी देर तक मंदिर में आराधना करने में बिताया

2. अपनी महिमा को प्रकट करने के लिए यीशु का पहलाआश्चर्य कर्म क्या था?

A. थोड़े से भोजन से एक विवाह भोज में 5000 लोगों को खाना खिलाया

B. एक विवाह भोज में सामान्य जल से दाखरस बनाया

C. एक विवाह भोज में दूल्हा के भाग जाने पर दूल्हा का उपाय कर दिया

3. यहूदी फसह का पर्व की यादगारी क्या थी?

A. बेबीलोन की बंधुवाई से इस्राएल का छुटकारा

B. मिस्र की गुलामी से इस्राएल का छुटकारा

C. इस्राएल के महान नेता मूसा का जन्मदिन

4. फसह के पर्व के लिए जब यीशु यरूशलेम पहुंचे तो वह क्यों क्रोधित हो गए?

A. व्यापारियों ने मंदिर परिसर में पशुओं की खरीद बिक्री कर रहे थे और इसे एक आम बाजार बना दिया था

B. मंदिर में बड़ी भीड़ के कारण जिससे आराधना में ध्यान लगाने में कठिनाई हो रही थी

C. बलिदान के पशु खरीदने के लिए उसके पास पर्याप्त धन नहीं था

5. जब यीशु ने मंदिर को ढाह देने और फिर इसे तीन दिन में बना देने की बात कही तो

A. वह 70 ईसवी में मंदिर के विनाश की ओर इशारा कर रहे थे

B. वह सर्राफों का ध्यान भटकाने का प्रयास किया था जो अपने कुर्सियों में फिर से बैठ गए थे

C. वह अपनी मृत्यु और पुनुरुत्थान की भविष्यवाणी कर रहे थे

6. यीशु ने निकुदेमुस से कहा कि कोई स्त्री/पुरुष परमेश्वर के राज्य में तब तक प्रवेश नहीं कर सकता जब तक वह

A. पाप करना छोड़ न दे

B. आत्मिक रीति से नया जन्म न पा ले

C. शारीरिक विधि से नया जन्म न पा ले

7. यूहन्ना 3:5 के वाक्यांश “जल और आत्मा” के ऐसा भी अनुवाद किया जा सकता था-

A. “जल से, जो कि बपतिस्मा है”

B. “परमेश्वर के प्रेम में बह जाने के द्वारा”

C. “जल्द से, जो की आत्मा है”

8. यूहन्ना 3:16,17 के अनुसार, परमेश्वर ने संसार के लिए अपने प्रेम को किस प्रकार प्रकट किया?

A. उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया

B. अपने विरुद्ध बलवा करने वाले सारे लोगों को क्षमा करने का निर्णय लिया

C. दूसरों से किस प्रकार प्रेम करना है इसे दिखाने के लिए उसने यीशु को भेजा

9. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने कैसे प्रतिक्रिया दी, जब उसके कुछ अपने चेले उसे छोड़ यीशु के पीछे चलने लगे?

A. उसने कहा यह अच्छा था, क्योंकि वह और यीशु एक ही है

B. वह यीशु से जलन रखने लगा

C. उसने अपने बारे में बता दिया कि वह मसीहा नहीं था परंतु वह तो उसके लिए मार्ग तैयार करने आया था

10. यीशु मसीह बहुत सारे कामों के करने में सक्षम थे क्योंकि वह

A. एक चंगाई देने वाले व्यक्तित्व में से थे

B. वह तो परमेश्वर के अधिकार पर कार्य कर रहे थे

C. उसे तो सामर्थ का अपना ही स्रोत था

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 3 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. सामरी कौन थे?

A. राज घराने वाले

B. सामार नामक व्यक्ति के वंशज

C. एक जातीय समूह है जिनका उत्पन्न इस राज्यों का विदेशियों से शादी करने के द्वारा हुआ, जो कि अश्शुरों द्वारा भेजा गया था

2. उस सामरी स्त्री को और हर मांगने वालों को यीशु क्या देने की बात कही थी?

A. मन को प्रज्वलित करने के लिए जीवित सत्य

B. भविष्य की मुश्किलों में सांत्वना का जीवित आशा

C. आत्मिक प्यास बुझाने के लिए जीवन जल

3. सावरी स्त्री से उनकी आत्मिक अवस्था की बात करने के लिए क्या किया था?

A. उसने अपना एक चेला बनने के लिए न्याय संगत कारण दिया

B. उसने उसकी आत्मिक आवश्यकता के प्रति जागरूक किया और फिर एक समाधान को दर्शाया

C. जिसके साथ विवाह नहीं हुआ था उसके संग रहने के कारण फटकारा

4. यीशु ने ऐसा क्या किया था कि वह सामरी स्त्री मानने के लिए मजबूर हो गई कि वह मसीहा था?

A. उसने कुएं के पानी को ताजा सोता बना दिया

B. उसने उसके बारे में वह बातें बता दी जिसे परमेश्वर को छोड़ और कोई न बता सकता था

C. उसने उससे बड़े अधिकार पूर्वक कहा था

5. नगर के लोगों ने उस समय कैसी प्रतिक्रिया दिखाई जब इस स्त्री ने वापस जाकर जो कुछ हुआ था उन्हें बता दिया?

A. उन सब ने सोचा कि वह पागल हो गई है

B. उसकी कहानी को किसी ने विश्वास नहीं किया

C. अनेकों ने विश्वास किया कि यीशु ही मसीहा है

6. एक सरकारी अधिकारी की जटिल समस्या क्या थी कि वह यीशु को खोजते हुए काना तक आया?

A. अधिकारी बहुत बीमार था

B. अधिकारी की पत्नी को कोढ़ हो गया था

C. अधिकारी का पुत्र बुखार/ज्वर से मरने वाला था

7. यह इतनी महत्वपूर्ण बात क्यों थी कि यह सरकारी अधिकारी अकेले वापस चला गया? इससे पता चलता है कि

A. यीशु की काफी व्यस्तता के कारण उसके साथ न गया

B. उसने विश्वास किया था कि यीशु ने जो कुछ कहा है वह हो गया था

C. यीशु लंबी दूरी वालों को चंगा नहीं कर सकता था

8. बेतहसदा के कुंड के सारे बीमारों को यीशु ने चंगा नहीं किया क्योंकि

A. वह तो केवल उन्हें ही चंगा किया जिन्होंने उससे चंगाई मांगी

B. यह उसके चंगाई सेवा के महान उद्देश्य से सटीक नहीं बैठता था

C. वह सब्त के दिन केवल एक जन को ही चंगाई की स्वीकृति देता था

9. वह कौन सा मुख्य कारण था जिससे यहूदी अगुवे यीशु से शत्रुता रखते थे?

A. वह परमेश्वर होने का दावा करते थे

B. उसने उसे, अपना चेला बनने के लिए नहीं बुलाया

C. उसने कहा, कि वह उनके अगुवे के स्थान को लेने जा रहा है

10. यूहन्ना 5 अध्याय में, निम्नलिखित में से कौनसी गवाही उसके परमेश्वर होने के - दावे को समर्थन करती है?

A. पुराने नियम का वचन, उसका पिता और उसके द्वारा दिखाया गया आश्चर्य कर्म

B. 12 चेले, यूहन्ना बपतिस्मा दाता और उसका पिता

C. उसकी माता मरियम, यूहन्ना बपतिस्मा दाता और उसका पिता

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 4 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. यूहन्ना 6 अध्याय में, गलील के झील के किनारे यीशु ने कितने लोगों को खिलाया?

A. पूरे 5000 लोगों को

B. 5000 पुरुषों तथा साथ में अनगिनत स्त्री बच्चों को

C. कुछ चुने हुए को, 5000 बच्चे और बुजुर्ग लोगों को

2. इस आश्चर्य कर्म को यीशु ने कैसे पूरा किया?

A. उसने कहा,” भोजन बन जाए” और रोटी और मछली हवा में प्रकट हो गए

B. एक बालक के भोजन को लेकर, वहां पाए गए सभी जनों को पर्याप्त भोजन से तृप्त किया

C. एक बालक के भोजन को लेकर सबके लिए थोड़ी नाश्ते का प्रबंध किया

3. जब सब खाकर तृप्त हो गए, लोगों ने बलपूर्वक यीशु को पकड़ना चाहते थे क्योंकि

A. वे डर गए थे कि इसके पास इतनी ताकत है

B. वे उस को बंदी बनाना चाहते थे

C. वे उसी वक्त उसे अपना राजा बनाना चाहते थे

4. गलील में भयंकर तूफान के समय, यीशु ने अपने चेलों को क्यों कहा कि भयभीत न हो?

A. क्योंकि वह उसके साथ था

B. क्योंकि तूफान बहुत देर तक रुकने वाला नहीं था

C. क्योंकि उनमें से कुछ मछुवे थे और उन्हें इसकी जानकारी थी

5. सुसमाचार के दूसरे लेखकों ने लिखा कि यीशु ने तूफान को कैसे शांत किया। यूहन्ना ने 6:21 में अतिरिक्त कौन सा आश्चर्यकर्म का जिक्र किया?

A. तुरंत सवेरा हो गया

B. नाव तुरंत ही गंतव्य स्थान पर पहुंच गए

C. यीशु ने सारे चलो को पानी पर चलने की सामर्थ्य दे दी थी

6. जीवन की रोटी के विषय में बताते हुए यीशु ने खुद की तुलना और भिन्नता किससे की?

A. मरुभूमि की यात्रा में परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए दैनिक मन्ना का प्रबंध किया था

B. तोड़ी जाने वाली रोटी जिसे हम अपने स्थानीय कलीसिया में प्रभु भोज में सहभागी होते हैं

C. मंदिर में का 12 रोटी, 12 गोत्रों के बारे में बताते हैं

7. यीशु ने जीवन की रोटी का प्रतीक बताया, जिसका अर्थ

A. जो उस पर विश्वास करते हैं, फिर कभी उन्हें भोजन के लिए मेहनत करने की आवश्यकता नहीं

B. वह उन्हें अनंत और आत्मिक जीवन देते हैं, जिन्होंने यीशु कौन है और उसने उसके लिए क्या किया है की सच्चाई को ग्रहण किया है

C. जिस प्रकार रोटी सामान्य होती है उसी प्रकार यीशु भी बहुत सामान्य जन ही थे

8. अपनी बात की समाप्ति पर उसने अपने चेलों से कहा, “जो वचन मैंने तुमसे कहा है वह.......

A. कोई अर्थ नहीं रखता, जब तक मैं उसकी व्याख्या न कर देता

B. सबसे महत्वपूर्ण वचन है जिसे तुमने कभी नहीं सुना होगा

C. आत्मा और जीवन है

9. इन बातों के पश्चात कुछ चेले यीशु के पीछे चलना क्यों छोड़ दिये थे?

A. उनको लगा कि वह पागल है

B. उस पर उनका विश्वास वास्तविक नहीं था

C. उन्हें लगा कि वह उन्हें दुबारा नहीं खिलाएंगे

10. जब यीशु ने अपने 12 चेलों को पूछा कि क्या तुम भी छोड़ कर चले जाना चाहते हो तो पतरस ने अपने उत्तर में कहा, "नहीं" क्योंकि

A. वे उसके प्रति खेदित थे, इसके बाद कई उसे छोड़ कर चले गए

B. वे उसको ठोकर खिलाने से डरते थे

C. उसने विश्वास किया था कि वह परमेश्वर का पुत्र और अनंत जीवन का स्रोत है

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 5 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. तंबू के पर्व क्या स्मरण दिलाते थे?

A. मरुभूमि में परमेश्वर ने इस्राएलियों को 40 वर्षों तक संभाला था

B. बड़े मिलाप वाले तंबू का निर्माण

C. यह एक सामान्य मरम्मत का कार्य था, जैसे कि आज हम बाहर जाकर तंबू लगाकर छावनी डालते हैं

2.यीशु के भाइयों ने यीशु को और अधिक चेला बनाने के लिए क्या करने के लिए कहा?

A. राजनीतिक सभाएं आरंभ करनी चाहिए

B. तंबू के पर्व पर कुछ बड़ा चमत्कार करनी चाहिए

C. परिवार के लोगों को निश्चित दिलाए कि वही मसीहा है जिससे कि वह उसकी बात को फैला सके

3. अपने सगे भाइयों की सलाह का यीशु ने किस प्रकार उत्तर दिया?

A. उसने कहा कि वह चुप रहे और उसे अकेला छोड़ दे

B. उसने उनसे कहा कि अब तक उसका समय नहीं आया है

C. वह उनके सलाह पर सहमत हुआ और वे एक साथ यरूशलेम को गए

4. जब यीशु पर्व के लिए यरूशलेम गए, तो उसकी शिक्षा पर यहूदियों ने किस प्रकार प्रतिक्रिया दी?

A. वे अचंभित हुए कि उसे परमेश्वर के विषय में प्रशिक्षण लिए बगैर बहुत कुछ पता है

B. उन्होंने उस पर पत्थर फेंके

C. वह झुक कर दंडवत किया

5. यीशु के आश्चर्य कर्म

A. पुराने नियम के भविष्यवाणी को पूरा नहीं किया

B. तो मात्र जादुई कला थी

C. उसके मसीहा होने के दावे को पुख्ता करते थे

6. यहूदियों ने तंबू के पर्व पर यीशु को बंदी क्यों नहीं बनाना चाहते थे?

A. इसकी तैयारी के लिए व्यापक समय न था

B. परमेश्वर की सटीक योजना थी और अभी वह समय न आया था

C. ऐसा कोई सामर्थी न था कि उसे बंदी बनाए क्योंकि यीशु को परमेश्वर की ओर से विशेष सामर्थ प्राप्त था

7. व्यभिचार में पकड़ी गई स्त्री को यीशु ने क्या उत्तर दिया?

A. उसने कहा, व्यभिचार एक संगीन पाप नहीं है

B. उसने उसे मारने के लिए पहला पत्थर उठा लिया

C. उसने उस पर दोष न लगाया परंतु उससे कहा कि आगे को पाप न करे

8. यूहन्ना 8:12 में, यीशु अपने लिए क्या प्रतीक बताया

A. "जीवन की रोटी मैं हूँ "

B. "शांति का राजकुमार मैं हूं"

C. "जगत की ज्योति मैं हूं"

9. यीशु जिसे अपना "चेला" कहते हैं, हम वह कैसे बन सकते हैं?

A. उसके वचन पर बने रहने के द्वारा (उसमें जीवन बिताना) और उसकी आज्ञा पालन करने का समर्पण करके

B. हर क्षण प्रार्थना में समय बिताने के द्वारा

C. कभी भी कलीसिया की सेवा न छोड़ने के द्वारा

10. धार्मिक नेता यीशु को पत्थरवाह क्यों करना चाहते थे?

A. वे उसे मारना नहीं चाहते थे वह केवल डराना चाहते थे

B. वह खुद को परमेश्वर के तुल्य प्रस्तुत किया था

C. उसने धार्मिक नेताओं को मूर्ख बनाया था

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 6 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. यूहन्ना ने अपने सुसमाचार में 7 विशेष आश्चर्यकर्म को लिखा, यूहन्ना नौवें अध्याय में यीशु ने एक अंधे को दृष्टिदान किया वह कितने नंबर का आश्चर्य कर्म था?

A. चौथा आश्चर्य कर्म

B. पांचवा आश्चर्य कर्म

C. छठवां आश्चर्य कर्म

2. यीशु ने अंधे व्यक्ति को क्यों कहा कि यह अंधा होकर इसलिए जन्मा कि

A. यह भयंकर पापी मनुष्य था

B. इनके मातापिता ने कुछ भयंकर पाप किया था-

C. जब यीशु इस मनुष्य को चंगा करें तो इससे उसके सामर्थ प्रकट हो और परमेश्वर की महिमा होने पाए

3. अंधे व्यक्ति की शिलोह के कुंड में धोना क्या बताता है?

A. पहले उसे साफ सुथरा में कमी थी

B. उसका विश्वास जिससे यीशु उसे चंगा करें

C. उसके मन की पवित्रता

4. अंधे व्यक्ति की चंगाई पर फरीसियों ने यीशु पर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?

A. वे तुरंत यीशु की आराधना की

B. उनकी अपनी आंखें इस संभावना से खुल गई कि यीशु ही परमेश्वर था

C. जो कुछ हुआ था उनकी व्याख्या करने के लिए कुछ अन्य तरीके तलाशने लगे

5. यूहन्ना 10:11 के अनुसार यीशु ने किस प्रकार प्रकट किया कि वही एक अच्छा चरवाहा थे?

A. भेड़ों को चराने और उनकी देखभाल के लिए चरवाहों का एक सम्मेलन आयोजित किया

B. उसने पतरस से उसे भेड़ों को चराने के लिए कहा

C. उसने अपने भेड़ों के लिए अपनी जान दे दी

6. यीशु ने कहा, वह "भेड़ों का द्वार है" ऐसे कि वह

A. पृथ्वी पर अपना राज्य स्थापित करने में तैयार नहीं था

B. पुराने नियम में मसीहा के विषय में भविष्यवाणी पूरी करें

C. किसी भी पापी को अपने राज्य में न लेंगे

7."दूसरे भेड़ों" के रूप में हम किसे समझते हैं जिसे यीशु ने कहा कि उसे भी अपने झुंड में लाना है?

A. यरूशलेम के बाहर रहने वाले यहूदियों को

B. अन्यजाति विश्वासियों को (गैर यहूदी)

C. उसके अनुयायियों को जो अभी तक नया जन्म भी नहीं पाए हैं

8. यूहन्ना 10:27 में यीशु ने "मेरी भेंड़" वाक्यांश को किस प्रकार परिभाषित किया?

A. जो लोग उसकी आवाज सुनते और उसका अनुसरण करते (आज्ञा पालन)

B. जो लोग उसका अनुसरण करते और फिर पाप नहीं करते

C. उसके 12 चेलों को

9. यूहन्ना 10:27-30 में अपनी भेड़ों के बारे में यीशु क्या कहते हैं?

A. यदि वे सावधान न रहे तो शैतान आकर उन्हें परमेश्वर के हाथ से छीन लेते है

B. उन पर शैतान की ओर से कभी भी हमला न होगा

C. उन्हें अनंत जीवन है और जो कभी भी खोया न जा सकता

10. उस समय क्या हुआ जब यहूदी लोगों ने यीशु को पत्थरवाह किया था?

A. यीशु ने उनके लिए भजन संहिता 82:6 का उल्लेख किया

B. मसीह उनके साथ लड़ा और उन्हें पराजित किया

C. मसीह ने खुद को उन्हें दे दिया और समर्पण किया

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 7 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. यीशु ने लाजर को मरने क्यों दिया?

A. उनकी बहन, मरियम और मारथा को पर्याप्त विश्वास ना था

B. अविश्वासी को चंगाई देने से अच्छा है उस पर विश्वास करने वाले किसी को चंगाई दे

C. मरे हुए को जलाकर अपनी सामर्थ्य को प्रकट करने में, जिससे कि यीशु को महिमा मिले

2. बाइबल के वचन स्पष्ट करते हैं कि यीशु को मरियम, मारथा और लाजर के साथ .... थी।

A.घनिष्ठ मित्रता

B. ऊपर ऊपर रिश्ता

C. पारिवारिक संबंध

3. पाठ के आधार पर इस वाक्यांश को पूरा करें: “बाईबल की शिक्षा केवल ....नहीं है।”

A. बुद्धिमत्ता

B. ईश्वरीय

C. व्यवहारिक

4. आज हमारे लिए भी यह क्यों मारना आवश्यक है कि यीशु ही पुनुरुत्थान और जीवन है?

A. यदि हम उस पर विश्वास करें तो हमें मृत्यु तथा पाप की सजा से डरने की जरूरत नहीं

B. जो कोई उस पर विश्वास करें उसे कभी भी शारीरिक मृत्यु नहीं होगी

C. इसका मतलब, वह सभी को अनंत जीवन प्रदान करता है जिस प्रकार वह हम सब को शारीरिक जीवन दिया है

5. बाइबल का सबसे छोटा आयत यूहन्ना 11:35, हमें यीशु के चरित्र के विषय में क्या सिखाता है?

A. वह कमजोर था, क्योंकि वह टूट गया

B. वह संपूर्ण ईश्वर होने के नाते वह पूर्ण रुप से मनुष्य भी था जिसे एक गहरी अनुभूति थी

C. वह भावुक होकर भीड़ को प्रभावित करना चाहता था

6. यीशु का शारीरिक मृत्यु पर विजय पाने का अंतिम "चिन्ह" क्या था?

A. लाजर को मरे हुए में से जिलाना

B. कब्र से स्वयं यीशु का पुनुरुत्थान

C. तत्काल ही 300 लोगों को मरे हुए में से जिलाना

7. जब मरियम यीशु के पॉव पर बहुमूल्य इत्र से अभिषेक किया तो यीशु ने क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

A. उसने उसे डांटा

B. उसने उसका आदर किया

C. उसने इसका नजरअंदाज किया

8. मुख्य याजकों ने लाजर को क्यों मारना चाहा?

A. लाजर ने परमेश्वर की निंदा की थी

B. लाजर, मृत्यु दंड की सजा का अपराधी था

C. मसीहा के अस्वाभाविक सामर्थ होने का लाजर एक जीता जागता प्रमाण था

9. यीशु एक गधे पर सवार होकर यरूशलेम में आया कि वह खुद को इस्राएल के समक्ष अधिकृत रूप से एक ....के रूप में प्रकट करे।

A. मुख्य याजक

B. शासक

C. राजा

10. उग्र भीड़ को बदला देने के बजाय यीशु ने जगत के पापों के लिए खुद को क्रूस पर क्यों चढ़ा दिए?

A. वह सबके सामने प्रमाणित करना चाहते थे कि उसे ऐसा करने में पर्याप्त सामर्थ है

B. परमेश्वर ने ऐसा करने के लिए उसे हराया था

C. वह पृथ्वी पर यही करने आए थे

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 8 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. यीशु ने सच्चे सेवक का नमूना दिया

A. अपने चेलों के पांव धोकर

B. उन्हें रात्रि का एक विशेष भोज देकर

C. उनके चाहत के अनुसार भेंट देकर

2. एक बार जब आप यीशु मसीह को, उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करके "शुद्ध हो चुके" तो

A. जब भी आप पाप करते हो, तो आपको उद्धार की मांग करने की आवश्यकता है

B. परमेश्वर के वचन को मौका देना चाहिए कि आपके पाप को प्रतिदिन की अशुद्धता से साफ करें

C. आप आपके बारे में भूल सकते हैं

3. यहूदा इस्करियोती

A. मसीह में वास्तविक विश्वास कभी भी नहीं किया

B. मसीह में विश्वास तो किया था पर अंत में उस से भटक गया

C. अपने कार्य के प्रति जिम्मेदार नहीं था, क्योंकि उसके जीवन को शैतान नियंत्रित कर रहा था

4. पाठ में दिए इस वाक्यांश को पूरा करें: "जितनी बड़ी प्रकाशन,.........................

A. उतनी बड़ी आशीष।"

B. उतनी बड़ी ज्ञान।"

C. उतनी बड़ी उत्तरदायित्व।"

5. एक दूसरे से प्रेम करने के तरीके में यीशु ने निर्देश दिया है-

A. एक दूसरे के प्रति उच्च भलाई को खोजना

B. दूसरों की जरूरतों को हमेशा देना

C. यह उद्धार पाने का तरीका है

6. यीशु ने अपने चेलों से कहा, "यदि तू मुझसे प्रेम करते हो तो-

A. तुम मेरी आज्ञाओ को मानोगे

B. आज्ञा के विषय में चिंता करने की जरूरत नहीं

C. यह तुम्हारे लिए काफी मुश्किल न लगे तो मेरी मान लेना

7. यूहन्ना 14:6 के अनुसार, एक व्यक्ति परमेश्वर के पास सच्चाई में कैसे आता है?

A. जब तक तुम अपने विश्वास में ईमानदार न हो, तो इसमें कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या विश्वास करते हैं

B. पिता तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग यीशु मसीह है

C. परमेश्वर तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता, अपने जीवन में बुराई से ज्यादा भलाई करना

8. "यीशु के नाम में प्रार्थना" का क्या मतलब होता है?

A. अपने पिता को संबोधन में कभी प्रार्थना नहीं करना

B. ऐसे निवेदनों को प्रस्तुत करना, जिस पर यीशु द्वारा "स्वीकृति की मोहर" लगा हो

C. "यीशु के नाम में" हर प्रार्थना के अंत में कहना

9. यहां पर यीशु द्वारा पवित्र आत्मा के सेवकाई के बारे में कहा कि

A. जैसे कि पुराने नियम के समय, वैसे ही अधिकांश भाग में पाया जाता था

B. मसीह के एकदम समान होगा

C. पहले से अलग होगा, आगे विश्वासियों में स्थाई तौर से वास करेगा

10. यीशु ने कहा कि जब वह वापस चला जाएगा, तो पिता, पवित्र आत्मा को भेजेगा जो

A. मसीह की शिक्षाओं को स्मरण दिलाएगा

B. धार्मिक नेताओं के पक्ष में होगा

C. उनका न्याय करेगा

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 9 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मुझसे अलग होकर"...

A. मेरे लिए कुछ कुछ कर सकते हो

B. मेरे लिए एकदम थोड़ा कर सकते

C. तू कुछ भी नहीं कर सकते

2. यूहन्ना 15 में, यीशु ने अपने और अपने चेलों के बीच संबंध की तुलना की-

A. एक दाखलता और इसकी डालियां

B. जीवन के वृक्ष और इसके फल

C. एक सदाबहार पेड़ और इसके कांटे

3. परमेश्वर के लिए फलवंत जीवन जीने की मुख्य बातें-

A. पाप न करना

B. लगातार कोशिश करना कि भले काम ही हो

C. हमारे आत्मिक जीवन के स्रोत यीशु के संग घनिष्ठ संबंध को बनाए रखना

4. मसीही को जिस सेवा कार्य का न्याय किया जाएगा और उसके अनुसार पुरस्कार दिया जाएगा, वह होगा-

A. श्वेत शासन के समक्ष

B. स्वर्ग में प्रवेश करते ही

C. मसीह के न्याय शासन के समक्ष

5. जब हम मसीह की आज्ञा का पालन करते हैं और दूसरों की सेवा के लिए " खुद को दे देते हैं" तो हम

A. मसीह के प्रति हमारे प्रेम प्रकट करते हैं और उसके आनंद का अनुभव करते हैं

B. स्वर्ग में जगह हासिल करते हैं

C. निश्चित करते हैं कि हमारी आवश्यकता में दूसरे भी सहायता करेंगे

6. यीशु ने अपने चेलों को उनके प्रति संसार के नजरिए के बारे में क्या सिखाया?

A. संसार ने उसे तुझ जाना, तो उन्हें भी तुझ जानेंगे

B. संसार उनकी शिक्षा का स्वागत करेंगे

C. संसार केवल उनका नजरअंदाज करेंगे

7. मसीह ने पवित्र आत्मा को "सहायक" कहा जिसका अनुवाद "सहायता करने वाला", जिसका अर्थ होता है

A. चेले जो कुछ भी मांगे उसे वह दे देगा

B. वह जो सब काम को करेगा

C. जो साथ साथ काम करेगा

8. यीशु ने पवित्र आत्मा को "वह" के रूप में कहा न कि "यह ", जो इंगित करता है कि पवित्र आत्मा

A. एक व्यक्ति है, न की केवल एक प्रेरक

B. को गंभीरता से लेनी चाहिए

C. त्रिएकतत्व में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तित्व है

9. यीशु ने अपने चेलों को पवित्र आत्मा की निश्चियता देकर हिम्मत दिया जो

A. उन्हें अदभुत, अस्वाभाविक सामर्थ देगा

B. हिम्मत, शिक्षा और अगुवाई करेगा, दर्द से छुड़ाएगा

C. उन्हें दर्द से प्रति रक्षक बनाएगा

10. दूसरों को यीशु के विषय बताने के समय यह याद रखना जरूरी है कि

A. हमारी जिम्मेदारी है कि दूसरों को अवगत करा दें की मसीह को तिरस्कार करना कितना गंभीर बात है

B. यह तो पवित्र आत्मा का कार्य है कि उन्हें पाप और उसके दंड के प्रति कायल करें

C. यदि हम जिन्हें गवाही देते हैं वह मसीह की ओर नहीं फिरते तो हम असफल हो गए

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 10 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. जो लगातार मसीह का इनकार करते वे

A. मृत्यु के बाद भी उन्हें एक दूसरा अवसर प्राप्त होगा कि वे अपना विश्वास उस पर रखें

B. स्वर्ग जाने से पहले उन्हें अपने पापों का दाम चुकाना पड़ेगा

C. विश्वास न करने के कारण उसे सदा काल तक दुख भोगने पड़ेंगे

2. यूहन्ना 16:21 में, हमारी व्यक्तिगत समस्या और निराशा क्षण भर का है, इसे बताते हुए यीशु ने किस उदाहरण का प्रयोग किया?

A. बलवा करने वाले पुत्र की वापसी पर एक पिता का आनंद

B. जच्चे की पीड़ा के बावजूद एक नए जन्मे बच्चे को देखकर एक स्त्री का आनंद

C. खराब फसल के बाद अच्छा फसल काटने का एक किसान का आनंद

3. पाठ के अनुसार इस वाक्यांश को पूरा करें: “अपनी मृत्यु के द्वारा, यीशु ने हमारे लिए यह संभव कर दिया कि हम

A. उद्धार पाए और मरने के बाद हम स्वर्ग में जाएं

B. परमेश्वर की संतान बने और हमारे पाप क्षमा है

C. प्रार्थना में हमने निधड़क परमेश्वर की उपस्थिति में आ जाएं

4. उसके ऊपर विश्वास रखने वालों के लिए इस संसार पर मसीह की विजय ने क्या दिया? (1 यूहन्ना 5:4-5 देखें)

A. सताव से प्रतिरक्षा

B. शैतान के हमले से प्रतिरक्षा

C. संसार की तौर तरीके के ऊपर हमारी विजय

5. यूहन्ना 17 अध्याय के पहले पांच आयत, यीशु की प्रार्थना में केंद्रित था

A. उसके चेले

B. संसार

C. पिता

6. किसी को या किसी की महिमा करने का अर्थ क्या होता है?

A. उस पर विश्वास करना

B. उनकी सुरक्षा करना

C. उसको संज्ञान में लेना और सम्मान देना

7. यूहन्ना 17:3 में, अनंत जीवन को यीशु ने किस प्रकार परिभाषित किया?

A. (अनुभव के ज्ञान से) पिता और पुत्र को जानना

B. केवल इसकी अवधि से – जो की सदाकाल का है

C. समस्या और परीक्षा से छूट कर जीवन बिताना

8. बाइबल में वर्णित यीशु की सबसे लंबी प्रार्थना उसने किसके लिए की?

A. केवल अपने लिए

B. केवल अपने और अपने चेलों के लिए

C.अपने लिए, अपने चेलों के लिए और तब से होने वाले सब विश्वासियों के लिए

9. अपने सारे अनुयायियों के लिए पुरस्कार के तौर पर यीशु ने परमेश्वर से क्या मांगा ?

A. संरक्षण और सुरक्षा

B. शुद्धिकरण और एकता

C. उपरोक्त दोनों

10. यूहन्ना 17:24 के अनुसार, लिखित तौर पर उस पर विश्वास करने वाले सारे विश्वासियों के लिए यीशु की अंतिम विनती क्या थी?

A. कि हम एक दिन उसे उसकी महिमा में देखें

B. कि हम शांति फैलाएं

C. कि हम उसके नाम से सबको क्षमा करें

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 11 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. क्रूस पर सहे गए यीशु का दर्द किसने दिए थे?

A. केवल मनुष्यों ने

B. केवल परमेश्वर ने

C. मनुष्य और परमेश्वर दोनों ने

2. पाठ के वाक्य को पूरा करें: "जब समय आया तो उसने अपना जीवन (मसीह) दे दिया

A. अपने ही स्वयं की इच्छा से"

B. क्योंकि पिता ने उसे कहा था"

C. उसकी इच्छा के विरुद्ध"

3. क्रूस पर चढ़ाए जाने के पूर्व लिखित तौर पर यीशु के अंतिम आश्चर्यकर्म कौन सा था?

A. मुख्य याजक के सेवक मलखुस के कान को चंगाई दिया

B. उसने पतरास के सारे भय को दूर किया

C. वह अदृश्य होकर रोमी सैनिकों से दूर जाने लगे

4. यीशु को बंदी बनाने और उसकी जांच के लिए ले जाने में यहूदी अगुवों को रोमी सैनिकों की मदद क्यों चाहिए थी?

A. यीशु ने कैसर की दुहाई दी थी

B. यहूदी अगुवे वास्तव में यीशु को मारना नहीं चाहते

C. केवल रोमी अधिकारी ही मृत्युदंड दे सकते थे

5. यीशु के क्रूसिकरण के पहले उसकी सारी जांच

A. न्यायसंगत और धर्मी थे

B. सच्चे और विश्वसनीय गवाहों द्वारा किए गए थे

C. अन्यायपूर्ण थे

6. पतरस ने इनकार किया कि

A. वह जानता था कि मसीह कौन है

B. वह यीशु को कभी देखा था

C. वह यीशु को कभी जानता था

7. इनमें से कौन सरकारी या धार्मिक अगुवा था जो बारंबार विश्वास नहीं किया कि यीशु किसी अपराध का दोषी है

A. कैफा

B. पुनतुस पीलातूस

C. हन्ना

8. सुसमाचार के लेख से यह स्पष्ट है कि

A. मसीह के क्रूसिकरण पर यीशु के कोई भी चले उपस्थित नहीं थे

B. मसीही के क्रूसिकरण पर केवल आधे चेले उपस्थित थे

C. उसके क्रूसिकरण पर कुछ स्त्रियां, साथ में मरियम (मसीह की माता) उपस्थित थे

9. जब यीशु ने ऊंचे शब्द से कहा, "पूरा हुआ" उसने क्या घोषणा किया था?

A. कि शैतान ने उसे हरा दिया

B. कि दर्द काफी बड़ा है और वह इसे सहन नहीं कर सकता

C. कि मेरे पापों के लिए पूरा दाम चुका दिया गया

10. वह दो मनुष्य कौन थे जिन्होंने मसीह के मृत्यु के बाद उसकी देह की सेवकाई की?

A. यूसुफ और निकुदेमुस

B. पतरस और यूहन्ना

C. याकूब और यूहन्ना

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?

अध्याय 12 की परीक्षा

परीक्षा देने के लिए इस पुस्तक के पीछे दी गई प्रश्न पुस्तिका का उपयोग करें।

1. यीशु के जी उठने के बाद सबसे पहले किसे दिखाई दिया?

A. माली को

B. मरियम मगदलीनी को

C. यूहन्ना को

2. खाली कब्र की मुख्यता को सबसे पहले किस ने महसूस किया था?

A. मरियम मगदलीनी

B. पतरस

C. यूहन्ना

3. वर्तमान में मसीह का अपने अनुयायियों के संग जो संबंध है इसे प्रकट करने के लिए मसीह ने मरियम को मुझे पकड़ी हुई मत रह कहा था , जो कि एक

A. व्यक्तिगत नहीं था

B. दूरी वाला था

C. आत्मिक था

4. उस दिन के बाद चेलों की दशा कैसी थी?

A. वे बड़े हिम्मत से घोषणा करने लगे कि यीशु मृतकों में से जी उठा है

B. वह इस बात से डर गए थे कि क्या जाने अब धार्मिक अगुवे उनके साथ क्या करेंगे

C. वह यीशु से क्रोधित हो गए की उन्हें अन्य नेताओं से नीचे ठहरा दिया

5. यीशु उस कमरे में कैसे प्रवेश किए जहां उसके चेले थे?

A. वह खटखटाते रहें जब तक कि उन्होंने उसे भीतर न ले लिया

B. उन्होंने उसे गुप्त पासवर्ड दिया

C. वह अद्भुत ढंग से बिना दरवाजा खोलें भीतर प्रकट हो गए

6. यीशु के निर्देशों में उनके चेलों के लिए उसका मुख्य बिंदु क्या था?

A. गतसमनी में उसे छोड़कर जाने के विषय में पश्चाताप करना जरूरी है

B. उन्हें शैतान से लड़ने में साहस लाना जरूरी है

C. उन्हें पवित्र आत्मा की सामर्थ में उसके कार्य को आगे बढ़ाना जरूरी है

7. जब थोमा ने अंत में, जी उठे यीशु को देखा तो उसने क्या कहा?

A. “हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर”

B. “मेरे उद्धारकर्ता और मेरे मित्र”

C. “क्या, आप ही हो प्रभु”

8. यूहन्ना 20:30-31 में यूहन्ना ने अपनी सुसमाचार लिखने के उद्देश्य में क्या कहा?

A. लोगों को विश्वास दिलाना कि यीशु ने वास्तव में आश्चर्यकर्म किया

B. यीशु के सटीक जीवनी को लिखकर सही इतिहास का सृजन करना

C. यीशु पर विश्वास करने का सही कारण को प्रस्तुत करना कि वही परमेश्वर का पुत्र था

9. यीशु ने तीन बार पतरस से पूछा?

A. “क्या तू मेरी सेवा करना चाहते हो?”

B. क्या तू मुझसे प्रेम करते हो?”

C. “क्या तू फिर कभी मेरा इंकार करेगा?”

10. यीशु ने पतरस को जो एक मछुआ था, क्यों कहा कि, “मेरी भेड़ों को चरा?

A. यीशु चाहते थे कि वे अपना व्यवसाय मछुआ से बदलकर चरवाहा बना दे

B. यीशु अधिकारिक तौर से पतरस को चेलों का नया अगुवा के रूप में मनोनीत कर रहे थे

C. यीशु ने पतरस को आदेश दिया था कि वह उनकी देखभाल करे जो उनका अनुयायी होंगे।

आपका विचार क्या है?

आपके मसीही जीवन के इस समय, बाइबल का अध्ययन करने के लिए आपको कौन सी बात प्रेरित कर रही है?